BPYE-001

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination 01613

December, 2017

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPYE-001 : PHILOSOPHY OF RELIGION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer **all five** questions.*

*(ii) **All** questions carry **equal** marks.*

*(iii) Answers to questions 1 and 2 should be in about **400** words each.*

1. Discuss the nature and development stages of religion. **20**

OR

Explain various arguments for and against atheism and agnosticism. **20**

2. Write an essay on the "sacred languages." **20**

OR

Describe religious fundamentalism. Discuss how it is related to terrorism. **20**

3. Answer **any two** of the following in about 200 words each.

(a) Narrate the views of Emile Durkheim and Max Weber on religion. 10

(b) How do you understand primitive religious consciousness ? Explain. 10

(c) Discuss different philosophical responses to religious pluralism. 10

(d) Narrate the imperative of inter religious dialogue. How does it happen ? 10

4. Answer **any four** of the following in about 150 words each.

(a) What is the etymological meaning of religion ? 5

(b) What is the idea of God according to Kant ? 5

(c) What is the teleological argument for the existence of God ? 5

(d) How is religious language and worship related ? 5

(e) Why is religious experience considered the internal aspect of religion ? 5

(f) What do you understand by the complexification of consciousness ? 5

5. Write short notes on **any five** of the following in about 100 words each.

(a) Taboo 4

(b) World view as religion 4

(c) Ecumenism 4

(d) God's omniscience 4

(e) Substance 4

(f) Symbolic presentation 4

(g) Religion as the opium of masses 4

(h) Immediate luminousness 4

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2017
ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.ई.-001 : धर्म-दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i)* ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

---

1. धर्म की प्रकृति एवं विकास की अवस्थाओं की विवेचना कीजिए। **20**

अथवा

निरीश्वरवाद और अज्ञेयवाद के पक्ष और विपक्ष में प्रस्तुत तर्कों की व्याख्या कीजिए। **20**

2. ''पवित्र भाषा'' पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए। **20**

अथवा

धार्मिक कट्टरवाद का वर्णन कीजिए। यह किस प्रकार आतंकवाद से संबंधित है, विवेचना कीजिए। **20**

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :

(a) धर्म के सम्बंध में एमाईल दुर्खीम और मैक्स वेबर के विचारों को स्पष्ट कीजिए। 10

(b) आरम्भिक धर्म-चेतना से आप क्या समझते हैं? व्याख्या करें। 10

(c) धार्मिक बहुलतावाद के प्रति विभिन्न दार्शनिक प्रतिवादों की विवेचना कीजिए। 10

(d) अन्त:धार्मिक सम्वाद के अनिवार्य तत्वों को स्पष्ट करे तथा बताए कि अन्त:धार्मिक सम्वाद किस प्रकार सम्भव होते हैं? 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

(a) धर्म का व्युत्पत्तिपरक अर्थ क्या है? 5

(b) कांट के अनुसार ईश्वर क्या है? 5

(c) ईश्वर के अस्तित्व में प्रस्तुत उद्देश्यपरक तर्क क्या है? 5

(d) धार्मिक भाषा और पूजा किस प्रकार सम्बंधित है? 5

(e) धार्मिक अनुभव को धर्म का आन्तरिक पक्ष क्यों स्वीकार किया जाता है? 5

(f) चेतना के जटलीकरण से आप क्या समझते हैं? 5

5. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) निषेध 4

(b) धर्म के रूप में विश्व-दृष्टि 4

(c) सार्वभौमिकता (Ecumenism) 4

(d) ईश्वर की सर्वज्ञता 4

(e) द्रव्य (Substance) 4

(f) प्रतीकात्मक प्रस्तुतीकरण 4

(g) जनसाधारण की अफीम के रूप में धर्म 4

(h) तात्कालिक प्रदीप्तता 4